ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, राँची

AMFU, Ranchi
Ref.: 1/1 (1) AAS/Ranchi
Mob.: 9340446914

IMD, New Delhi
Date: 02.01.2026
Email: amfuranchi@gmail.com

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन **बोकारो** प्रखण्ड के लिए

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त अगले पाँच दिनों (02 जनवरी से 06 जनवरी) का मौसम पूर्वानुमान

	02 जनवरी	03 जनवरी	04 जनवरी	05 जनवरी	06 जनवरी
वर्षा (मिलीमीटर)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	24	23	22	22	23
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	10	10	9	8	7
आकाश में बादल की स्थिति	आसमान खुले रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे	हल्के बादल छाए रहेंगे	हल्के बादल छाए रहेंगे	आसमान खुले रहेंगे
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	41-60	42-62	42-62	45-65	45-66
हवा की गति (कि. मी. प्रति घंटा)	2	2	3	3	3
हवा की दिशा	उत्तर-पश्चिम की ओर से	उत्तर-पश्चिम की ओर से	उत्तर-पश्चिम की ओर से	उत्तर की ओर से	उत्तर की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

आने वाले दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में हल्की कमी देखी जा सकती है। हालांकि, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।	
तापमान में कमी तथा कोहरे की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों जैसे आलू, सरसों, सब्ज़ियों में बीमारी के प्रकोप दिखने पर तुरंत उपाय करें। कम तापमान और नमी के तनाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सुबह के समय खड़ी सब्जियों और फसलों में हल्की सिंचाई करें। कम तापमान के कारण खराब अंकुरण से बचने के लिए सब्जियों की नर्सरी के ऊपर कम लागत वाले पॉलिथीन कवर का उपयोग करें। चूंकि शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, इसलिए किसानों को हाल ही में बोई गई रबी फसलों और नई पौध को नमी के तनाव से बचाने के लिए पर्याप्त पानी से सिंचाई करनी चाहिए।	
गेहु	देर से बोई गई गेहूं की फसल यदि 21-25 दिन की हो जाए तो आवश्यकतानुसार पहली सिंचाई करें। सिंचाई के 3-4 दिन बाद नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा का छिड़काव करें। गेहूं की फसल में खरपतवार प्रबंधन के लिए मेटा सल्फ्यूरॉन 8 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी प्रति एकड़ का उपयोग करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दे, तो बचाव हेतु किसान क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. @ 2.0 ली. प्रति एकड़ 20 कि.ग्रा. बालू में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दे, और सिंचाई करें।
सब्जी	इस मौसम में प्याज की समय से बोयी गई फसल में थ्रिप्स के आक्रमण की निरंतर निगरानी करते रहें। प्याज में परपल ब्लोस रोग की निगरानी करते रहें। रोग के लक्षण पाये जाने पर डाएथेन- एम-45 @ 3 ग्रा. /ली. पानी किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि(1 ग्रा. प्रति एक लीटर घोल) में मिलाकर छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों के टमाटर के पौधे मुरझाकर सूख रहें हैं तो वे तांबे आधारित फफूंदनाशी एवं स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिड़काव करें। साथ ही रोग ग्रसित पौधों को खेत से निकल दें। मटर की फसलों मे 2% यूरिया के घोल का छिड़काव करें जिससे मटर की फलियों की संख्या मे बढ़ोतरी हो सके।
आलू	25 से 30 दिन पुरानी आलू की फसल में मिटटी चढ़ाने के कार्य को पूरा करें तथा मिटटी को भुरभुरा कर नत्रजन की शेष बची मात्रा मिलाएं (65 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़)। कहीं-कहीं आलू के फसल में अंगमारी रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। इस रोग के कारण निचली पत्तियों पर छोटे, फीके-भूरे चमकदार धब्बे बनते है जो धीरे-धीरे ऊपर वाली पत्तियों पर फ़ैलाने लगते हैं और अंत में पत्तियां सिकुड़कर गिर जाती हैं। पौधों में ऐसा लक्षण देखते ही तुरंत फफूंदनाशी दवा रीडोमिल का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से करें।
दलहनि फसल	चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी के लिए यदि फूल 10-15% तक पहुंच गया हो तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप की दर से फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत और उसके आसपास "टी" आकार के पक्षियों के बैठने की व्यवस्था करें। देर से बोई गई सरसों की फसल में विरलीकरण तथा खरपतवार नियंत्रण का कार्य करें। मौसम को मध्यनजर रखते हुए सरसों की फसल में सफ़ेद रतुआ रोग एवं चेपा कीट की नियमित रूप से निगरानी करें।
पशुपालन	पशुओं को खुरपका मुहपका रोग से बचाव हेतु पशुचिकित्सक के निगरानी में एफ.एम.डी. टिका लगवाएं।

अनुराग सनाडया
रिसर्च एसोसिएट

डॉ. रमेश कुमार
नोडल आफिसर